CSIR-IITR

13th May 2017

आइडिया है तो उस पर काम जरूर करें

जागरण संवाददाता, लखनऊ : यदि आपके मस्तिष्क में कोई इनोवेटिव आइडिया है तो आलोचकों के चक्कर में उसे खत्म न करें। यदि पूर्णरूप से संतुष्ट हैं तो उसे अवश्य पूरा करें। तमाम सफल स्टार्टअप ऐसी ही कोशिशों से मुकाम पर पहुंचे हैं।

सीएसआइआर-भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान (आइआइटीआर) में शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात पुणे के एनसीएल इनोवेशंस के प्रमुख डॉ.वी प्रेमनाथ ने कही। प्रयोगशाला से बाजार तक पर दिए गए व्याख्यान में उन्होंने कहा कि कैसे एक समस्या आधारित समाधान को बाजार में लाने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान का सहारा लेते हैं। उन्होंने हिप रिप्लेसमेंट के लिए उपयोग किए जाने वाले पॉलिमर का उदाहरण देते हुए कहा कि यह अनुसंधान का ही फल है। परामर्शदाता सुधी राज वर्मा द्वारा 'यूजिंग टेक्नोलॉजी इन इनोवेशंस' पर व्याख्यान दिया।

इस मौके पर विद्यालयों और कॉलेज के छात्रों को वैज्ञानिक, नवीन आविष्कारक व उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए दो कार्यक्रम भी प्रारंभ किए गए। 'एक दिन के लिए वैज्ञानिक बनो' पर एक दिवसीय कार्यशाला 18 मई को शुरू की जाएगी और दो सप्ताह के लिए 29 मई से छात्रों को इनोवेशन और सृजन के प्रति सशक्त बनाने के लिए ईपीआइसी नामक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। दोनों कार्यक्रम को देश के तीन प्रमुख विज्ञान अकादमियों से समर्थन मिलेगा। आइआइटीआर के निदेशक प्रो. आलोक धावन ने कहा कि इन कार्यक्रमों से बच्चे वैज्ञानिकों से सीधे रूबरू हो सकेंगे।

सीएसआइआर में आयोजित कार्यक्रम में बोलते डॉ.वी प्रेमनाथ

Published in:

Dainik Jagran, Page 13